17
अध्याय

सूचना, शिक्षा और संप्रेषण (आईईसी)

17-1 ifjp;

सूचना, शिक्षा और संप्रेषण (आईईसी) कार्यनीति का उद्देश्य इस मंत्रालय की विभिन्न स्कीमों/कार्यक्रमों के अंतर्गत उपलब्ध लाभों के संबंध में जागरूकता पैदा करना और सूचना का प्रचार–प्रसार करना एवं उन तक पहुँचने में नागरिकों का मार्गदर्शन करना है। इसका उद्देश्य प्रोत्साहक और निवारक स्वास्थ्य पर फोकस करते हुए जनमानस में स्वास्थ्य संवर्धन व्यवहार के निर्माण को बढ़ावा देना भी है। आईईसी कार्यनीति ने सम्प्रेषण के लिए प्रयुक्त विभिन्न साधनों के जरिये शहरी और ग्रामीण जनसंख्या की विभिन्न आवश्यकताओं की पूर्ति की है।

17-2 dk;uhfr d vkbbl h@ l ir"k.k ;ktuk

मंत्रालय ने आईईसी लक्षित कार्यकलापों के लिए कार्यनीतिक सरंचना की रूपरेखा तैयार की है जिसमें मास मीडिया, मध्य–मीडिया तथा अंतर्वैयक्तिक कार्यकलापों को आधार बना के विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं की सूचना सर्वसाधारण के ध्यान में लाने का प्रयत्न किया है। पूरे वर्ष की आईईसी/संप्रेषण योजना में स्वास्थ्य दिवसों और स्वास्थ्य संबंधी विषयों को ध्यान में रखते हुए माहवार ध्यान केन्द्रित किया गया है। कुछ कार्यकलाप "स्वास्थ्य दिवसों" पर चलाये गये हैं जबकि मंत्रालय की योजनाओं पर केन्द्रित कुछ बहु–मीडिया अभियान साप्ताहिक और पूरे मास के लिए थे। ये एकीकृत अतिसार नियंत्रण पखवाड़ा (आईडीसीएफ), स्तनपान सप्ताह, तंबाकू नियंत्रण आदि विषयों के आस–पास केन्द्रित रहे। मौसमी रोग जैसे कि डेंगू, एच1एन1 के लिए लम्बे समय तक अभियान चलाना आवश्यक है।

सभी आईईसी कार्यकलापों में टी.वी. और रेडियों के साथ प्रिंट मीडिया अवयव भी शाामिल था। सामाजिक मीडिया और बाह्य मीडिया कार्यकलाप इसे पूर्ण रूप से सुदृढ़ बनाया गया।

मीडिया प्लान का उच्चतर स्तर पर अनुवीक्षण किया जाता है ताकि आवश्यकता के अनुसार इसका ठोस कार्यन्वयन सुनिश्चित करते हुए और इसके चलते मध्य में संभव परिवर्तन किया जा सके।

एक अद्वितीय पहल की गई है जिसमें मंत्रालय ने सूचना और प्रसारण मंत्रालय के अधीन मीडिया अर्थात फील्ड प्रचार निदेशालय (डीएफपी) के साथ भागीदारी की है ताकि 184 उच्च प्राथमिकता जिलों (एचपीडी) में मध्य मीडिया और अंतर्वैयक्तिक कार्यकलापों के माध्यम से विभिन्न आरएमएनसीएच्ए पहलों एवं सरकार की योजनाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाई जा सके। इसमें किशोरों, नव विवाहित दम्पतियों, प्रत्याशित माताओं, स्तनपान कराने वाली माताओं, नवजात और बच्चों के लिए निवारक और प्रोत्साहक स्वास्थ्य परिचर्या की सूचना के प्रसार पर बल दिया गया। राज्य सरकारों के साथ ही भागीदार एजेंसियों ने इसे सफलता प्रदान करने और जागरूकता संवर्धन के लिए विशेष योगदान दिया है। इसमें उच्च प्राथमिकता वाले जिलों में स्वास्थ्य व्यवहार की भावना पैदा करना भी शामिल है।

17-3 fiV

आईईसी प्रभाग क्षेत्रीय भाषाओं सहित भारत के सभी अग्रणी समाचार पत्रों में नियमित रूप से विज्ञापन प्रकाशित करता आ रहा है। ऐसे विज्ञापनों का उद्देश्य न केवल सकारात्मक व्यवहार को अपनाने के लिए लोगों को प्रोत्साहन देना, अपितु सरकार द्वारा प्रदत्त गुणवत्तायुक्त स्वास्थ्य परिचर्या

की उपलब्धता एवं पहुँच के संबंध में जागरूकता पैदा करना और सूचना का प्रचार–प्रसार करना भी है। विश्व जनसंख्या दिवस, विश्व स्वास्थ्य दिवस, तंबाकू निषेध दिवस आदि जैसे अंतर्राष्ट्रीय दिवसों पर प्रिंट मीडिया के जरिये पूरे देश में स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण संदेश दिये जाते हैं। इस वर्ष डेंगू, मलेरिया, स्वाईन फ्लू की रोकथाम के संबंध में जागरूकता पैदा करने के लिए समाचार पत्रों में नियमित रूप से विज्ञापन प्रकाशित किये गये थे। ये मिथकों और डर को दूर करने और आधारहीन अफवाहों को दबाने में अत्यधिक प्रभावी रहे। लिंग चयन (पीसी पीएनडीटी अधिनियम) के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए भी ऐसे विज्ञापन जारी किये गये थे।

यदि कुछ का नाम लिया जाए तो मिशन इंद्रधनुष, पल्स पोलियो अभियान, विश्व स्तनपान सप्ताह, छोटे बच्चों का आहार–सप्ताह, कार्रवाई सम्मिट, राष्ट्रीय पोषकता सप्ताह, विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस, आईपीवी टीके की शुरूआत, सुरक्षित मातृत्व दिवस, विश्व हैपेटाईटिस दिवस, भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला (आईआईटीएफ) तीव्र अतिसार नियंत्रण पखवाड़ा (आईडीसीएफ) जैसे अवसरों पर विशेष प्रिंट मीडिया अभियान चलाये गये।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग ने ''सजग हम तो स्वस्थ हम'' वर्ष 2016 के लिए एक अदभुत भित्ति कैलेंडर प्रकाशित किया। इस कैलेंडर में ऐसे अनेक मुद्दों को शामिल किया गया है जिनमें मातृ और नवजात शिशु परिचर्या को उजागर किया गया था। इसे केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों, राज्य सरकारों, गैर–सरकारी संगठनों, दाता सहभागियों आदि में वितरित किया गया।

17-4 Vyhfo t u

इस मंत्रालय का आईईसी प्रभाग इस माध्यम का प्रयोग अपने लक्षित दर्शकों में गहन रूप से सकारात्मक स्वास्थ्य संदेश पहुंचाने के लिए करता रहा है। मंत्रालय ने दूरदर्शन (प्रसार भारती) के साथ 50.00 करोड़ रू. की प्रतिबद्धता के साथ 300% बोनस एयर टाइम के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य क्षेत्रीय केन्द्रों के माध्यम से स्वास्थ्य मंत्रालय की नीतियों, कार्यक्रमों और स्कीमों को देश के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना और उन पर प्रकाश डालना था।

दूरदर्शन ने राष्ट्रीय नेटवर्क पर और क्षेत्रीय चैनलों के द्वारा विभिन्न अवसरों पर प्रजनन बाल स्वास्थ्य (आरसीएच) तथा गैर–प्रजनन बाल स्वास्थ्य के संबंध में झलकियां (स्पॉट्स) भी प्रसारित की हैं। एच1एन1, डेंगू तथा मलेरिया की रोकथाम और इसके फैलाव को रोकने के लिए दूरदर्शन, आकाशवाणी, निजी सैटेलाइट चैनल और एफएम चैनलों के माध्यम से एहतियाती उपायों को संम्प्रेषित किया गया। किशोर स्वास्थ्य तीव्रीकृत अतिसार नियंत्रण पखवाड़ा, (आईडीएफसी) राष्ट्रीय पोषण, स्तनपान दिवस आदि की शुरूआत के दौरान टीवी और आकाशवाणी, एफएम चैनलों पर भी इन झलकियों को प्रसारित किया गया।

इस मंत्रालय ने लोक सभा चैनल पर प्रत्येक शानिवार सप्ताह में एक बार सायं 5.00 से 6.00 बजे तक (स्वस्थ भारत) शीर्षक वाले एक घंटे के कार्यक्रम का प्रोड्क्शन और प्रसारण का समन्वय भी किया। दर्शकों को फोन–इन कार्यक्रम में विशेषज्ञ डॉक्टरों से वार्तालाप करने का अवसर मिला।

मातृ स्वास्थ्य, स्वास्थ्य, बाल स्वास्थ्य, परिवार नियोजन, किशोर स्वास्थ्य और प्रतिरक्षण के संबंध में महत्वपूर्ण मुद्दों पर डीएवीपी के माध्यम से समय–समय पर सैटेलाइट चैनलों, डिजिटल सिनेमा और एफएम चैनलों के जरिए झलकियां (स्पॉट्स) भी प्रसारित/ब्रॉडकास्ट की गई थीं।

17-5 vkdk'kok.kh

इस मंत्रालय की नीतियों, कार्यक्रमों और स्कीमों को दर्शाने के लिए फिल्मी संगीत, ग्रामीण कार्यक्रम, महिला कार्यक्रम जैसे लोकप्रिय कार्यक्रमों और क्षेत्रीय समाचारों से पहले और बाद में 18 उच्च ध्यान केन्द्रित राज्यों में प्रसारित करने के लिए आकाशवाणी (प्रसार भारती) के साथ एक संविदा पर हस्ताक्षर किए गए।

आकाशवाणी, नई दिल्ली से प्रसारित होने वाले प्रातःकालीन राष्ट्रीय समाचारों से पहले और समाचारों के बीच में और साथ ही सांयकाल के राष्ट्रीय समाचारों से पहले और उनके बीच में महत्वपूर्ण स्वास्थ्य मुद्दों से संबंधित रेडियो झलकियां (स्पॉट्स) भी प्रसारित की जा रही हैं। मंत्रालय, रेडियो स्पॉटस के प्रसारण के लिए आकाशवाणी के साथ अधिकतम एयर टाइम बोनस के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने की प्रक्रिया में है। समझौता ज्ञापन ठीक

उसी प्रकार का होगा जैसाकि दूरदर्शन (प्रसार भारती) के साथ हस्ताक्षरित किया गया है।

इस मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने मिशन इन्द्रधनुष, जेएसएसके/जेएसवाई, संक्रामक रोगों जैसे मुद्दों पर आकाशवाणी के फोन–इन कार्यक्रम में भाग लिया ताकि वे स्वास्थ्य संबंधी पहलुओं पर रेडियो श्रोताओं के साथ वार्तालाप कर सकें।

इसके अलावा मंत्रालय ने सामुदायिक रेडियो प्लेटफार्म का भी प्रयोग किया है और आकाशवाणी द्वारा पूर्व में प्रसारित कार्यक्रमों का पुनः प्रसारण किया गया।

एच1एन1 (स्वाइन फ्लू) के संबंध में जागरूकता पैदा करने के लिए आकाशवाणी के एफएम चैनलों और निजी रेडियो स्टेशनों पर फरवरी, 2015 में आकर्षक रेडियो जिंगल भी बजाई गईं। इसने, इसके लक्षणों, खुद को इससे बचाने के तरीकों के बारे में सूचना प्रदान की और समय रहते चिकित्सीय कार्यकलापों को करने के लिए प्रोत्साहन दिया।

17-6 lkekftd ehfM;k

घटनाओं की कवरेज के लिए तथा लोगों को स्वास्थ्य संबंधी संदेश पहुंचाने के लिए मंत्रालय द्वारा सामाजिक मीडिया का प्रयोग किया जा रहा है। वर्तमान समय में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय यू ट्यूब और ट्विटर जैसी दो लोकप्रिय सामाजिक मीडिया सेवाओं को प्रयोग में ला रहा है। मंत्रालय ने यू ट्यूब चैनल में व्यापक संख्या में लघु फिल्मों, विडियो अप–डेट और वार्ताओं के वीडियो अपलोड किए है जिसमें स्वस्थ जीवन शैली और सकारात्मक व्यवहार पर जोर दिया गया है। नियमित अंतराल पर वीडियो अपलोड किए जाते है और ट्विटर हैंडल के माध्यम से इनके लिंक ट्वीट किए जाते हैं। मंत्रालय के ट्विटर हैंडल का 1.59 लाख से अधिक लोग का अनुसरण करते हैं। इससे स्वास्थ्य संदेशों का प्रसार ही नहीं होता बल्कि यह मंत्रालय की विभिन्न घटनाओं और पहल की सूचना और अद्यतन स्थिति का भी पता चलता है। इस मंच को प्रभावी ढंग से पीसी एंड पीएनडीटी, बाल स्वस्थ्य, मिशन इन्द्रधनुष, एच1एन1 इत्यादि सहित विभिन्न अभियानों के लिए प्रयुक्त किया गया है।

17-7 Hkkjrh; vUrjjk"Vh; O;kikj esyk ¼vkbZvkbZVh,Q½ 2015 esa LokLF; iosfy;u

मंत्रालय ने 35वें भारतीय अन्तरराष्ट्रीय व्यापार मेला (आईआईटीएफ), प्रगति मैदान में 14–27 नवम्बर, 2015 में भाग लिया। इस वर्ष प्रदर्शनी में मंत्रालय का थीम था ''उपचार से रोकथाम बेहतर''। इसमें वैयक्तिक, सामुदायिक और सरकार के स्तर पर किए जा रहे निवारक उपायों को कवर किया गया। पैवेलियन में बाल और मातृ स्वास्थ्य, परिवार नियोजन और किषोर स्वास्थ्य, संक्रामक और गैर–संक्रामक रोगों सहित स्वास्थ्य परिचर्या के विभिन्न पहलुओं के निवारक पक्षों को कवर किया गया।

व्यापार मेले के दौरान, आगंतुकों को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच, जनसंख्या स्थिरीकरण संबंधी परामर्ष, एचआईवी/एड्स परिवार नियोजन संबंधी तरीकों, जीवन–शैली संबंधी रोगों के लिए योग प्रदर्शन आदि की पेशकश की गई थी। सूचना और प्रसारण मंत्रालय के गीत और नाटक प्रभाग द्वारा कार्यक्रम पेश किए गए, पैवेलियन के अन्य मुख्य आर्कषण स्वास्थ्य संबंधी क्विज और स्वास्थ्य विशेषज्ञ द्वारा दिए गए अंतर्वैयक्तिक व्याख्यान थे। सहज पहुंच के लिए प्रगति मैदान में 7 ''स्वस्थ चेतना'' स्टॉल आयोजित किए गए थे जिसके परिणामस्वरूप स्वास्थ्य जांच के लिए 69,000 से ज्यादा लोगों ने पंजीकरण करवाया।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय

MISSION INDRADHANUSH
More than 2 crore antigens given in more than 12 lakh sessions
About 95 lakh children immunized and 25.5 lakh children fully immunized
Protection against
diphtheria, polio
tuberculosis
measles